राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, सांवतसर, थानागाजी, अलवर (राज.)

रामजी लाल शर्मा, टीआर

भौगोलिक स्थिति

यह शाला थानागाजी मुख्यालय से लगभग 35 किलोमीटर दक्षिण दिशा में स्थित है। यह विद्यालय अरावली पर्वतमाला की श्रृंखलाओं की तलहटी में बसा हुआ है।

भौतिक स्थिति

यह विद्यालय दो ब्लॉक्स में बना हुआ है ''अप ब्लॉक एण्ड डाउन ब्लॉक''। अप ब्लॉक पहाड़ी के उपर बना होने की वजह से अप ब्लॉक है इसमें मिडिल कक्षाएँ चलती हैं तथा डाउन ब्लॉक पहाड़ी के नीचे धरातल पर बना होने की वजह से डाउन ब्लॉक है इसमें प्राइमरी कक्षाएँ चलती है अप ब्लॉक में चार कक्षा–कक्ष एवं एक प्रधानाध्यापक कक्ष बना हुआ है तथा डाउन ब्लॉक में 4 कक्षा–कक्ष एवं एक प्रधानाध्यापक कक्ष बना हुआ है सुविधाएँ दोनों ब्लॉक्स में अलग–अलग बनी हुई हैं। अप ब्लॉक में चार दिवारी अधुरी बनी हुई है पानी के लिए ट्यूबवैल के साथ पानी की टंकी बनी हुई है। यहाँ पर्याप्त मात्रा में खेल मैदान का अभाव है। शाला भवन को सुन्दर करने के प्रयास जारी है लेकिन अप ब्लॉक के पास वाली जमीन पर पिछले दिनों से विवाद चल रहा है। शाला भव पहाड़ी तलहटी में निर्मित होने की वजह से मैदान पथरीला है। मैदान सिढ़ीनुमा भाग में दो ब्लॉक्स में बना हुआ है। खेल मैदान खेलने की स्थिति में नहीं है।

शाला स्टाफ़

क्र.सं.	नाम	विषय
1.	श्री लक्ष्मीनारायण मीना (प्र.अ.)	पर्यावरण अध्ययन + सामाजिक ज्ञान
2.	श्री रामपाल मीना	हिन्दी, उच्च प्राथमिक
3.	श्री मूँगाराम प्रजापत	गणित
4.	श्री धूणीलाल मीना	अंग्रेजी
5.	श्री महेश चन्द शर्मा	गणित, प्राथमिक
6.	श्री ऋषिराज मीना	गणित, संस्कृत
7.	श्री छोटेलाल मीना	हिन्दी, प्राथमिक

शिक्षकों की विशेषताएँ

- समय के पाबन्द।
- सकारात्मक सोच रखते हैं।
- नवाचारों में विश्वास रखते हैं।
- एक मिशन एक टीम के रूप में कार्य करते हैं।
- समुदाय को अपना हिस्सा मानते हैं।
- बच्चों के साथ सहज व्यवहार रखते हैं।

- शिक्षण में टीएलएम व खेल गतिविधियों को शामिल करते हैं।
- स्तरानुसार शिक्षण कार्य करवाते हैं।
- बच्चों के साथ मिलकर स्वयं टीएलएम निर्माण करते हैं।
- शिक्षण कला व संगीत को समावेशी करते हैं।
- एसएमसी के सुझाव व बैठकों में विश्वास रखते हैं।
- अध्ययनशील रहते हैं।
- सह शैक्षिक गतिविधियों में विश्वास रखते हैं।
- योजना के साथ कार्य करने में विश्वास रखते हैं।
- नियमित समुदाय सम्पर्क में विश्वास रखते हैं।

नामांकन 2013–14

कक्षा	बालक	बालिका	योग
1	20	18	**38**
2	11	11	**22**
3	10	19	**29**
4	18	8	**26**
5	8	11	**19**
योग	**67**	**67**	**134**
6	15	15	**30**
7	14	6	**20**
8	17	11	**28**
योग	**46**	**32**	**78**
कुल योग	**113**	**99**	**312**

इस विद्यालय में आस–पास के विद्यालयों से सबसे अधिक नामांकन हैं। जब से इस विद्यालय में सीसीई हुआ हैं तब से नामांकन बढ़ता जा रहा है।

इस विद्यालय का पिछले वर्षों का नामांकन निम्न प्रकार से रहा –

वर्ष नामांकन		2009–10	2010–11	2011–12	2012–13
कक्षा–1 में नामांकन		32	34	32	22
कक्षा 1 से 5 तक कुल नामांकन	बालक	76	86	86	77
	बालिका	72	80	83	67
	कुल	**148**	**166**	**169**	**144**
कार्यरत शिक्षक		4	4	7	9

जब सत्र 2010–11 में यहाँ पायलट प्रोजेक्ट चालू किया गया उस समय कक्षाओं में नामांकन कम था। सीसीई व बोध शिक्षा समिति को साथ में कार्य करने की वजह से नामांकन में वृद्धि हुई।

पायलट प्रोजेक्ट के दौरान तीन वर्ष तक इस विद्यालय में प्री–प्राइमरी कक्षा में चली जिससे बच्चे नियमित जुड़ते रहे।

आस–पास के विद्यालयों से बच्चे इस विद्यालय में अपना–अपना प्रवेश करवाने लगे।

पुस्तकालय

इस विद्यालय में पायलट प्रोजेक्ट के दौरान पुस्तकालय के लिए लगभग 1000 पुस्तकें खरीदी गई। कुछ किताबें पहले से उपलब्ध थी। जब पुस्तकालय में किताबें उपलब्ध भी तो अब इसका बेहतर उपयोग कैसे हो ? सभी शिक्षकों के साथ यह विचार रखा गया। किताबें अधिक से अधिक बच्चों की पहुँच में हो इसके लिए सबसे पहले पुस्तकालय को समय सारणी में जगह दी गई। नियमित रूप से एक कालांश पुस्तकालय के लिए दिया गया। बच्चों को घर के लिए किताबें जारी की जाने लगी।

पुस्तकालय की किताबों का वर्गीकरण निम्न आधार पर किया गया –

- विषयगत।
- आयु के अनुसार।

ऐसा करने से बच्चों को पुस्तकालय में पुस्तकें लेने में काफी सुविधा होने लगी। पुस्तकालय का नियमित उपयोग होने की वजह से बच्चों का पढ़ने कौशल काफी विकसित हुआ। बच्चों की पढ़ने के प्रति रुचि बढ़ने लगी। बच्चों के पास नई–नई शब्दावली का भण्डार होने लगा। पहेलियाँ, कहानियाँ, प्रयोग वाली किताबों के प्रति रूझान बढ़ा। पुस्तकालय में किए गए अध्ययन को सभा सत्र में प्रस्तुत करने लगे। नियमित समाचार पत्रों के अध्ययन से बच्चों का समसामयिक ज्ञान में काफी वृद्धि हुई।

कक्षा–कक्ष

इस विद्यालय के कक्षा–कक्ष जीवन्त नजर आते हैं। कक्षा–कक्ष कक्षाओं के अनुरुप सजे हुए है अर्थात टीएलएम लगा हुआ है। बच्चे जो कार्य करते हैं उसे कक्षाओं में प्रदर्शित किया जाता है। शिक्षक व बच्चों द्वारा मिलकर जो टीएलएम बनाया जाता है उसे भी प्रदर्शित किया जाता है। बच्चों द्वारा बनाई गई शिक्षण सामग्री व किया गया कार्य देखकर बहुत प्रसन्न रहते हैं।

कक्षा–कक्षीय प्रक्रिया : *शिक्षण प्रक्रिया*

- गीत, कविताओं, अंग्रेजी राइम्स से प्रारम्भ।
- पिछले दिन किए गए कार्य को जोड़ते हुए कार्य को आगे बढ़ाना।
- स्तरानुसार व उपसमूह शिक्षण।
- टीएलएम व गतिविधि आधारित शिक्षण।
- सभी बच्चों को समान अवसर प्रदान करना।
- शिक्षक का बच्चों के साथ समूह में बैठकर शिक्षण कार्य करवाना।
- शिक्षक का केवल फैसिलिटेटर के रूप में रोल अदा करना।
- बाल केन्द्रित शिक्षण कार्य।
- कला व संगीत गतिविधियों का समावेश।

- शिक्षण के दौरान शिक्षक का बच्चों के प्रति सहज व्यवहार।

सभा सत्र

- Pray
- Songs and Poems, English Rhymes
- Balgeet, Chetanageet
- G.K. Questions and Answer
- Role Play
- Story, Chutakale, Pazzles etc.

आकलन का तरीका – इस विद्यालय में केवल पेपर–पेन्सिल वाला आकलन का तरीका ही नहीं इसके अलावा जो तरीके काम में लिए जाते हैं वे निम्न है –

- सह शैक्षिक गतिविधियाँ।
- गतिविधि आधारित शिक्षण के दौरान।
- स्व–आकलन।
- सहपाठियों द्वारा आकलन।
- माता–पिता व अभिभावकों द्वारा।
- शिक्षक समूह के द्वारा।
- Formative and Summative Evaluation द्वारा
- Written and Oral Evaluation द्वारा

सह शैक्षिक गतिविधियाँ

- Indoor and Outdoor Games
- अन्ताक्षरी व प्रथमाक्षरी
- बाल सभा
- पहेलियाँ
- नाटक, कहानियाँ, चुटकुले, दोहे, प्रेरक प्रसंग, श्लोक
- एकाभिनय, मुकाभिनय इत्यादि

एसएमसी

- नियमित शाला अवलोकन।
- नियमित मासिक बैठकों में आना व आकर अपनी भूमिका निभाना।
- शाला में अपनी भागीदारी निभाना। (आर्थिक, वैचारिक)
- शाला में हमेशा मदद के लिए तैयार रहना।
- बच्चों का शैक्षिक स्तर देखना और सुझाव देना।
- महिलाओं की बराबर भागीदारी।

समुदाय सम्पर्क

- योजना बनाकर नियमित समुदाय सम्पर्क करना।
- एसएमसी अध्यक्ष व सदस्यों को विशेष आवश्यकता होने पर साथ लेकर सम्पर्क करना।

- टीम बनाकर शालाँचल क्षेत्र को विभाजित करके सम्पर्क करना।
- सम्पर्क के परिणाम की समीक्षा करना।
- शाला में हो रही गतिविधियों व बच्चों के स्तर को शेयर करना।
- शाला विकास व ग्रामीण विकास की चर्चा करना।
- विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की शेयरिंग करना।

समीक्षा – इस शाला में नियमित रूप से साप्ताहिक समीक्षा की जाती है इस वर्ष समीक्षा के निम्न मुद्दे रहे –

- Assessment and Placement
- Irregular Students
- Enrolment of Students
- Students of C Grade
- Complete the CCE Documents on Time
- Regular Adopet CCE Process
- Summative Papers/Tools
- Monthly Meetings of SMC
- Community Contect
- CCE Scheme
- Impact of CCE
- Role of Bodh Shiksha Samiti
- Monthly CCE Workshops

मासिक कार्यशाला (सीसीई)

- समय पर प्रारम्भ व समाप्त।
- पूर्व तैयारी से एमटी का आना।
- कार्यशाला में सामग्री की पर्याप्त उपलब्धता।
- शिक्षकों की समस्याओं का समाधान।
- सीसीई की पुख्ता समझ होना।
- सीसीई कार्यशाला में शिक्षकों की समस्याओं का समाधान प्रेक्टिकल में करके बताना।
- एमटी व बोध कार्मिक के बीच अच्छा संयोजन होने की वजह से कार्यशालाओं में अच्छा कार्य।
- सीसीई स्कीम को समझना।
- सीसीई शब्दावली की जानकारी।
- सीसीई दस्तावेज़ों की जानकारी व उपयोगिता तथा प्रक्रिया के दौरान काम में लेना।
- विभिन्न प्रकार के योगात्मक और वर्कशीट।

सीसीई – इस विद्यालय में सीसीई काफी अच्छा चल रहा है बच्चे, शिक्षक व अभिभावक सीसीई को समझ चुके है।